Advantages and Disadvantages of Internal Evaluation

आतंरिक मूल्यांकन के लाभ तथा दोष

SEMESTER IV,PAPER VIII B, UNIT- VI

Dr. Sweta Bagade

Asst. prof. (B.Ed)

GSCW Jamshedpur

Advantages of Internal Evaluation

आन्तरिक मूल्यांकन के लाभ

- The evaluators are very familiar with the work, the organizational culture and the aim and objectives.

मूल्यांकनकर्ता काम, संगठनात्मक संस्कृति और लक्ष्य और उद्देश्यों से बहुत परिचित होते हैं।

- Sometimes people are more willing to speak to insiders than to outsiders.

कभी-कभी लोग बाहरी लोगों की तुलना में अंदरूनी सूत्रों से बात करने के लिए अधिक इच्छुक होते हैं।

- An internal evaluation is very clearly a management tool, a way of self- correcting and much less threatening than an external evaluation. This may make it easier for those involved to accept finding and criticisms .

एक आंतरिक मूल्यांकन बहुत स्पष्ट रूप से एक प्रबंधन उपकरण है,यह स्व-सुधार का एक तरीका है और बाहरी मूल्यांकन की तुलना में इसमें बहुत कम खतरा है। इसलिए इसमें शामिल लोगों के लिए परिणाम और आलोचना को स्वीकार करना आसान हो सकता है।

- An internal evaluation will cost less than an external evaluation.

एक आंतरिक मूल्यांकन में बाह्य मूल्यांकन से कम खर्च होता है ।

Disadvantages of Internal Evaluation
आन्तरिक मूल्यांकन के दोष

- The evaluation team may have a vested interest in reaching positive conclusions about work or organization. For this reason, may prefer an external evaluation.

मूल्यांकन टीम में कार्य या संगठन के बारे में सकारात्मक निष्कर्ष तक पहुंचने में निहित स्वार्थ हो सकता है। इस कारण से बाह्य मूल्यांकन को पसंद करते हैं।

- The team may not be specifically skilled or trained in evaluation.

टीम मूल्यांकन में विशेष रूप से कुशल या प्रशिक्षित नहीं हो सकती है।

➢The evaluation will take up a considerable amount of organizational time – while it may cost less than an external evaluation, the opportunity cost may be high.

मूल्यांकन में संगठनात्मक समय काफी मात्रा में लगेगा - जबकि इसकी लागत बाहरी मूल्यांकन से कम हो सकती है, अवसरो की लागत अधिक हो सकती है।

****